

Khatu Ki Raj Ko Samjho Na Baalu

Lyrics in Hindi and English

Khatu Ki Raj Ko Samjho Na Baalu Lyrics in Hindi

खाटू की रज को बावरे, समझो ना बालू रेत,
खाटू की रज को बावरे, समझो ना बालू रेत,
जाने कितने प्रेमियो ने, खुद की चढ़ाई भेट,
खाटू की रज को बावरे, समझो ना बालू रेत,

जो भी लगाये माथे से, कटते उसके कलेश,
कन कन मे खाटू रज के, बस्ते खाटू नरेश,
कन कन मे खाटू रज के, बस्ते खाटू नरेश,
जपने से श्याम नाम के, दर्शन से मात्र श्याम के,
बन गये है कितने सेठ,
खाटू की रज को बावरे, समझो ना बालू रेत,

खाटू की रज से प्रेमियो, जुड़ा हुआ इतिहास,
कितने ही भक्तों ने यहाँ, अन्तिम ली है साँस,
कितने ही भक्तों ने यहाँ, अन्तिम ली है साँस,
आरती जैसे भगतों ने, ना जाने कितने भक्तों ने,
चढ़ाया खुद को है भेट,
खाटू की रज को बावरे, समझो ना बालू रेत,

जब जब भी जाओ खाटू, थोड़ा करना ध्यान
चले गये जो श्याम शरण, करना उन्हे प्रणाम,
चले गये जो श्याम शरण, करना उन्हे प्रणाम,
माथे पे रज लगाने मे, महिमा को संजय गाने मे,
होना नहीं कभी तू लेट,
खाटू की रज को बावरे, समझो ना बालू रेत,

Khatu Ki Raj Ko Samjho Na Baalu Lyrics in English

Khatu ki raj ko bawre, samjho na balu ret,
Khatu ki raj ko bawre, samjho na balu ret,
Jaane kitne premiyon ne, khud ki chadhaai bhet,
Khatu ki raj ko bawre, samjho na balu ret.

Jo bhi lagaaye maathe se, katte uske kalesh,
Kan kan mein Khatu raj ke, baste Khatu Naresh,
Kan kan mein Khatu raj ke, baste Khatu Naresh,
Japne se Shyam naam ke, darshan se maatr Shyam ke,
Ban gaye hain kitne seth,
Khatu ki raj ko bawre, samjho na balu ret.

Khatu ki raj se premiyon, juda hua itihaas,
Kitne hi bhakton ne yahaan, antim li hai saans,
Kitne hi bhakton ne yahaan, antim li hai saans,
Aarti jaise bhakton ne, na jaane kitne bhakton ne,
Chadhaaya khud ko hai bhet,
Khatu ki raj ko bawre, samjho na balu ret.

Jab jab bhi jao Khatu, thoda karna dhyaan,
Chale gaye jo Shyam sharan, karna unhe pranam,
Chale gaye jo Shyam sharan, karna unhe pranam,
Maathhe pe raj lagane mein, mahima ko Sanjay gaane mein,
Hona nahi kabhi tu late,
Khatu ki raj ko bawre, samjho na balu ret.

About Khatu Ki Raj Ko Samjho Na Baalu Bhajan in English

“Khatu Ki Raj Ko Samjho Na Baalu” is a devotional bhajan dedicated to **Shri Khatu Shyam Baba**, a revered deity worshipped in **Khatu Dham**, Rajasthan. This bhajan emphasizes the divine power and blessings associated with the sacred **Khatu ki Raj** (the dust from the temple of Khatu Shyam). It highlights the miraculous and life-changing impact of the holy dust, which is revered by devotees as a symbol of Lord Shyam’s

divine presence and blessings.

- **Sacred Dust of Khatu:** The bhajan begins by describing the significance of **Khatu ki Raj** (the dust of Khatu) and its spiritual importance. “Khatu ki raj ko bawre, samjho na baalu ret” refers to the sacred dust, urging the devotee not to underestimate its divine power, as it carries the blessings of Lord Khatu Shyam.
- **Divine Blessings and Transformation:** The bhajan mentions that anyone who applies the dust of Khatu Shyam on their forehead experiences relief from their difficulties and is blessed by the Lord. “Jo bhi lagaaye maathe se, katte uske kalesh” suggests that by applying the sacred dust, the devotee’s problems are removed, and they receive divine protection.
- **Presence of Lord Shyam in Every Particle:** The bhajan emphasizes that Lord Shyam’s divine presence is embedded in every grain of **Khatu ki Raj**. “Kan kan mein Khatu raj ke, baste Khatu Naresh” highlights that Lord Khatu Shyam resides in every part of the sacred dust, making it a powerful source of spiritual connection and blessings for his devotees.
- **A Historic Connection to Devotees:** The bhajan refers to the long history of devotion and faith associated with **Khatu ki Raj**. “Khatu ki raj se premiyon, juda hua itihaas” refers to the deep spiritual connection many devotees have with the sacred dust, as it has been a source of miracles and grace for countless devotees throughout history.
- **Paying Respect to Lord Shyam:** The bhajan urges devotees to remember and honor those who have dedicated themselves to **Shyam’s service**. “Chale gaye jo Shyam sharan, karna unhe pranam” encourages respect and homage to those who have surrendered to Lord Shyam and left this world in his service.
- **A Call for Devotion and Reverence:** The bhajan concludes with an emphasis on the importance of devotion, respect, and faith. “Maathhe pe raj lagane mein, mahima ko Sanjay gaane mein” reminds devotees to apply the dust with reverence and sing the Lord’s praises, for it brings divine blessings and helps remove obstacles in life.

Overall, “Khatu Ki Raj Ko Samjho Na Baalu” is a powerful bhajan that highlights the sanctity of **Khatu ki Raj** and its connection to the blessings of **Shri Khatu Shyam Baba**. The bhajan encourages devotees to recognize the divine power within the sacred dust and to embrace it with devotion and humility, for it holds the potential to transform lives, grant divine peace, and remove all difficulties.

About Khatu Ki Raj Ko Samjho Na Baalu Bhajan in Hindi

“खाटू की रज को समझो ना बालू” भजन के बारे में

“खाटू की रज को समझो ना बालू” एक अत्यंत भक्ति से भरपूर भजन है, जो श्री खाटू श्याम बाबा के प्रति अटूट श्रद्धा और विश्वास को व्यक्त करता है। इस भजन में खाटू श्याम के मंदिर की पवित्र रज (धूल) की महिमा और उसके दिव्य प्रभाव का वर्णन किया गया है। यह भजन भक्तों को बताता है कि खाटू की रज को हल्के में नहीं लेना चाहिए, क्योंकि यह रज भगवान श्री श्याम के आशीर्वाद का प्रतीक है और इसका भक्तों के जीवन में चमत्कारी प्रभाव होता है।

- **खाटू की रज की पवित्रता :** भजन की शुरुआत में खाटू की रज की महिमा का उल्लेख किया गया है। “खाटू की रज को बावरे, समझो ना बालू रेत” पंक्ति में यह बताया गया है कि खाटू की रज सिर्फ सामान्य बालू या रेत नहीं है, बल्कि यह भगवान श्री खाटू श्याम के दिव्य आशीर्वाद से भरी हुई है, जो भक्तों के जीवन को बदलने की शक्ति रखती है।
- **रज के द्वारा कष्टों का निवारण :** भजन में यह भी कहा गया है कि खाटू की रज लगाने से भक्तों के जीवन के सभी कष्ट और समस्याएँ समाप्त हो जाती हैं। “जो भी लगाए माथे से, कटते उसके कलेश” का अर्थ है कि खाटू की रज लगाने से भक्तों के दुख-दर्द दूर हो जाते हैं और भगवान श्याम का आशीर्वाद मिलता है।
- **राधा और श्याम की उपस्थिति :** खाटू की रज में भगवान श्याम की उपस्थिति को महसूस किया जाता है। “कन कन में खाटू रज के, बस्ते खाटू नरेश” पंक्ति में यह दर्शाया गया है कि खाटू की रज में भगवान श्री खाटू श्याम का वास होता है, और यह रज भक्तों को शांति और आशीर्वाद प्रदान करती है।
- **भक्तों का समर्पण और खाटू की रज का इतिहास :** भजन में खाटू की रज से जुड़े भक्तों के समर्पण और ऐतिहासिक संदर्भों का भी उल्लेख किया गया है। “खाटू की रज से प्रेमियों, जुड़ा हुआ इतिहास” पंक्ति में यह बताया गया है कि खाटू की रज से जुड़े कई भक्तों ने यहाँ अपनी अंतिम साँसें लीं, और उनके विश्वास और भक्ति ने उन्हें जीवनभर

के आशीर्वाद दिए।

- **भगवान श्याम का सम्मान :** भजन में भक्तों को यह भी याद दिलाया जाता है कि जब भी वे खाटू जाते हैं, तो उन्हें भगवान श्याम की पूजा और उनके आशीर्वाद का सम्मान करना चाहिए। “चले गए जो श्याम शरण, करना उन्हें प्रणाम” पंक्ति में यह संदेश दिया गया है कि जो भक्त भगवान श्याम की शरण में चले गए हैं, उनका सम्मान और प्रणाम करना चाहिए।

कुल मिलाकर, “खाटू की रज को समझो ना बालू” एक भक्ति से भरा हुआ भजन है, जो खाटू श्याम की रज की महिमा और उसके दिव्य प्रभाव को व्यक्त करता है। यह भजन भक्तों को खाटू की रज को श्रद्धा और विश्वास से अपनाने की प्रेरणा देता है, ताकि वे भगवान श्री खाटू श्याम के आशीर्वाद से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि प्राप्त कर सकें।